

नित्यानंद पुं. (तत्.) प्रत्येक परिस्थिति में (मन में) सदा रहने वाला आनंद वि. ऐसा (व्यक्ति) जिसका मन सर्वदा प्रफुल्लित रहे।

नित्यानित्य वि. (तत्.) नित्य और अनित्य, स्थिर और भंगुर, नश्वर और स्थायी।

नित्यानित्यवस्तुविवेक पुं. (तत्.) यह बोध कि ब्रह्म ही सत्य है, नित्य है और जगत् अर्थात् ब्रह्म के अतिरिक्त शेष सब कुछ मिथ्या है, अनित्य है या माया है।

निथरना अ.क्रि. (तत्.) पानी या किसी अन्य तरल पदार्थ में घुली-मिली भारी चीजों, मिट्टी, मैल आदि के तल में बैठ जाने से, उस तरल पदार्थ के ऊपरी अंश का स्वच्छ हो जाना।

निथार पुं. (तद्.) 1. निथरने या निथारने की क्रिया/भाव 2. निथरे हुए पानी या किसी अन्य तरल पदार्थ में तल पर बैठा मैल, मिट्टी या अन्य भारी चीज।

निथारना स.क्रि. (तद्.) पानी या किसी अन्य तरल पदार्थ को इस तरह स्थिर रखना ताकि उसमें मिली हुई भारी चीजें, मिट्टी, मैल आदि नीचे बैठ जाए पुं. किसी तरल पदार्थ में से भारी चीजें अलग करने के लिए कुछ समय तक उस पदार्थ को स्थिर रखकर उस तरल को उड़ेल कर स्वच्छ द्रव पदार्थ करने की क्रिया या भाव, निथार।

निथुरा वि. (तद्.) जिसे निथार लिया गया हो, निर्मल, स्वच्छ।

निदरना स.क्रि. (तद्.) 1. निरादर करना, अपमान करना, अनादर करना 2. तिरस्कार करना, उपेक्षा करना, नीचा दिखाना, तुच्छ सिद्ध करना।

निदर्श पुं. (तत्.) 1. निर्धारित रूप, नमूना, भावी निर्माण, उत्पादन आदि के लिए मानक या आदर्श रूप 2. किसी प्रपत्र का प्रारूप।

निदर्शक वि. (तत्.) 1. दिखलाने-बतलाने वाला 2. प्रदर्शक, निरूपक 3. निदर्शन करने वाला, प्रस्तुत करने वाला, निर्दिष्ट करने वाला किसी

तथ्य/बात आदि की ओर संकेत करने वाला, सूचक।

निदर्शन पुं. (तत्.) 1. किसी प्रक्रिया, उत्पाद, मशीन आदि के प्रयोग या परिचालन को संभावित प्रयोक्ता अथवा खरीदार के सम्मुख प्रत्यक्ष करके दिखाना, उदाहरण, दृष्टांत 2. शिक्षा. छात्रों के समक्ष कोई प्रयोग या क्रिया प्रत्यक्ष करके समझाना 3. सांख्य. सांख्यिकीय या व्यावसायिक उद्देश्य से उदाहरणार्थ प्रस्तुत वह इकाई जो सभी इकाइयों के प्रतिनिधि के रूप में हो।

निदर्शना स्त्री. (तत्.) काव्य. अर्थालंकार का एक भेद जहाँ दो पदार्थों में भिन्नता होते हुए भी उपमा द्वारा उनमें सादृश्य या संबंध की कल्पना की जाए पुस्त. चित्र, उदाहरण। illustration

निदहन पुं. (तत्.) 1. जलना पर्या. निदहना 2. जलाना।

निदाध पुं. (तत्.) 1. ताप, गरमी, घाम, धूप 2. गरमी का मौसम, ग्रीष्म ऋतु।

निदान पुं. (तत्.) 1. मूल या वास्तविक कारण, आदि कारण 2. आयु. रोग का कारण जानने तथा रोग का निर्धारण करने की विधि और उससे संबंधित जानकारी जिसके आधार पर समुचित चिकित्सा की जा सके 3. जैन. विषयों की लालसा अव्य. 1. अंततः 2. परिणामतः।

निदानविद्या स्त्री. (तत्.) आयु. विभिन्न परीक्षणों द्वारा, शरीर पर लक्षणों के आधार पर, रोग की उत्पत्ति का कारण बताने वाली विद्या।

निदानशाला स्त्री. (तत्.) आयु. रोगों के निदान का केंद्र; चिकित्सालय अथवा उपचारशाला।

निदारुण वि. (तत्.) 1. निर्दय, निष्ठुर 2. असह्य, दुःसह्य, भयानक, भीषण 3. कठिन।

निंदिया स्त्री. (तद्.) नींद, ऊँघ।

निदिध्यास पुं. (तत्.) 1. निदिध्यासन, बार-बार ध्यान में लाना, पुनःपुनः स्मरण एवं चिंतन 2. योग. गंभीर चिंतन, श्रवण और मनन से प्राप्त ज्ञान का बार-बार चिंतन करना, आँख बंद कर मन ही मन पुनरावृत्ति करना।